SHAKUNTALAM INSTITUTE OF TEACHERS EDUCATION

KIRHINDIH, KUMHAU STATION ROAD, SHIVSAGAR

COURSE NAME – B.Ed. 2nd YEAR SESSION – 20-22

SUBJECT - C-10 (Creating an Inclusive School)

TOPIC NAME – संबंध नीतिगत दस्तावेज

DATE - 01 02 22

संबंध नीतिगत दस्तावेज :-

अंतर्राष्ट्रीय दस्तावेज :-

⇒ **जोमेत्रियन सम्मेलन :-** समावेशी शिक्षा का आरम्भ 1990 में थाइलैण्ड के एक शहर जोमेत्रियन में हुआ था। इस सम्मेलन में कुछ 50 देशों के शिक्षाविदों ने शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव के लिए निम्नलिखित उद्देश्य को रखा।

(i) सभी के लिए शिक्षा के लक्ष्य निर्धारित किया जाये।

(ii) बच्चे, प्रौढ़, वृद्ध सभी को शिक्षा की सुविधा प्राप्त हो।

⇒ **सलमांका विश्व विद्यालय (7-10 June 1994) :-**

यूनेस्को द्वारा सन् 1994 ई० में सलमांका (स्पेन) विशेष शैक्षिक आवश्यकताओं पर एक विश्व सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें

सभी बालकों को एक समान शिक्षा सुलभ कराने का प्रण लिया गया। इस सम्मेलन में शामिल 92 देशों की सरकार एवं 25 अंतर्राष्ट्रीय संगठनों ने शिक्षा को एक मौलिक अधिकार मानने का प्रस्ताव पारित किया। (प्रत्येक बालक की रुचि, योग्यता, आवश्यकता एवं सीखने की क्षमता अलग-अलग होती है) इस उद्घोषणा के साथ सलमांका सम्मेलन का समापन किया गया।

⇒ विकलांग व्यक्तियों के अधिकार पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन :

विकलांग व्यक्तियों के लिए वैसे तो कई देशों में अलग-अलग कानून बने हैं लेकिन वैश्विक स्तर पर पहले प्रभावी प्रयास का प्रतिफल 30 मार्च 2007 को देखने को मिला। यह प्रयास संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा किया गया। UNO द्वारा क्योंकि के विकलांग व्यक्तियों के अधिकार के लिए UN convention on the ~~side~~ right of person with disability इसे 13 Dec 2006 को अपनाया गया और 30 march 2007 को राष्ट्रों के हस्ताक्षर के लिए खोल दिया गया। 3 may 2008 को यह अस्तित्व में आया और सन् 2002-2006 तक आमसभा के समक्ष 8 सत्रों के इस सम्मेलन पर बातचीत हुई थी। यह 21वीं शताब्दी की पहली व्यापक मानव अधिकार संधि है। इस convention पर 160 राष्ट्रों ने हस्ताक्षर किए थे।

(United Nation convention on Rights of Persons with Disability) (13)

UNCRPD के सम्मेलन के अधीन आठ मार्गदर्शक सिद्धान्त है —

1. और भेदभाव

2. अंतर्निहित गरिमा का सम्मान

3. व्यक्तिगत स्वायतता जिसमें किसी की अपनी पसंद तथा व्यक्तियों की स्वतंत्रता का सम्मान शामिल है।

4. समाज में दिव्यांगो की पूर्ण भागीदारी एवं सम्मान।

5. मानवता के हिस्से के रूप में दिव्यांग व्यक्तियों के अंतर एवं स्वीकृति के लिए सम्मान।

6. अवसरों की समानता।

7. पुरुषों एवं महिलाओं के बीच समानता।

8. दिव्यांग बच्चों की विकसित क्षमता का सम्मान तथा उनके अधिकारों का सम्मान एवं संरक्षण।

⇒ UNCRPD का निहितार्थ :-

इसके निहितार्थ निम्नलिखित है।

1. भेदभाव की समानता।

2. न्याय तथा कानून की पहुँच।

3. शिक्षा का अधिकार।

4. स्वास्थ्य अधिकार।

(v) व्यक्ति की अखंडता की रक्षा करना।

(vi) परिवार के प्रति सम्मान।

(vii) स्थिरता एवं पुनर्वास।

(viii) कार्य एवं रोजगार।

(ix) सामाजिक सुरक्षा।

(x) वोट देने का अधिकार।

⇒ MDG (Millennium Development Goals) :-

सबके लिए शिक्षा (2015) :-

यूनेस्को के अनुसार - "समावेशी शिक्षा वर्जन के लिए अति संवेदनशील अधिगमकर्ताओं के लिए शिक्षा के अवरोधनों को हटाने से संबंधित है। यह एक प्रतिमानित उपागम है। जिसे सभी बालकों की शिक्षा में सफलता के लिए निर्मित किया गया है। इसका सामान्य उद्देश्य व्यक्ति के शिक्षा के अधिकार के सभी वर्जन को कम प्राथमिक स्तर की शिक्षा है तथा इस प्रकार के सभी के लिए गुणात्मक शिक्षा तक पहुँच भागीदारी तथा सीखने में सफलता को संभव बनाना है।

⇒ सह-शताब्दी विकास का लक्ष्य :-

सबके लिए शिक्षा विकास के लक्ष्यों को निर्धारित करने के लिए विश्व के नेताओं द्वारा घोषित प्रमुख विकास लक्ष्य निम्नलिखित रूप से निर्धारित किए गये हैं जो कि मुख्यतः 6 है —

1. बचपन की देखभाल ।

2. सभी के लिए मुफ्त और अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा ।

3. ~~[illegible] [illegible]~~ युवाओ और व्यस्को के लिए जीवन कौशल की शिक्षा ।

4. साक्षरता वृद्धि ।

5. 2015 तक लैंगिक समानता ।

6. शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार ।